सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 127 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 13 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

हजारों खोखले शब्दों से अच्छा वह एक शब्द है जो शांति लाये।

-भगवान बुद्ध

विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा... 7 | एकबार फिर पूरे तेवर में आएगा... 3 | बीजेपी वाले एसी में यूपी की आम... 2

पश्चिम बंगाल में छापों का मानसून

अभिषेक बनर्जी से मदन मित्रा तक ताबड़तोड़ एक्शन

» कानून की कार्रवाई या चुनावी राजनीति का नया अध्याय?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में पुलिस की गाड़ियों की सायरनों की आवाजे गूंज रही हैं। दरवाजों पर दस्तक है और जांच एजेंसियों की हलचल है फाइलों की सरसराहट के बीच टीएमसी से जुड़े लोगों के बीच बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। आज सुबह तड़के तीन बजे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवास पर पुलिस और केंद्रीय बलों की टीम पहुंचती है। तो दूसरी तरफ नगर पालिका भर्ती घोटाले की जांच में टीएमसी विधायक मदन मित्रा के 7 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी जाती है।

देखने मे तो यह अलग-अलग कार्रवाइयां है। अलग-अलग नाम लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा एक ही है कि छापे की लिस्ट में अगला नाम किसका है और कहां छापा पड़ने की संभावना है। अभिषेक बनर्जी कोई साधारण नेता नहीं हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद पार्टी के सबसे प्रभावशाली चेहरों में उनकी गिनती होती है। संगठन पर उनकी पकड़ कार्यकर्ताओं में उनकी स्वीकार्यता और राज्य की राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका उन्हें टीएमसी का भविष्य माना जाने वाला चेहरा बनाती है। यही वजह है कि जब भी जांच एजेंसियों की कार्रवाई उनके आसपास पहुंचती है तो उसका असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य में महसूस किया जाता है। उधर मदन मित्रा का नाम भी बंगाल की राजनीति में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उनके ठिकानों पर हुई कार्रवाई ने एक बार फिर भर्ती घोटाले की जांच को सुर्खियों में ला दिया है। लेकिन इसके साथ ही विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का नया दौर भी शुरू हो गया है। दिलचस्प बात यह है राजनीतिक दल हर एक्शन प्रत्येक कार्रवाई को अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं। सत्ता पक्ष पक्ष इसे कानून का राज बताते नहीं थक रहा तो विपक्ष इसे राजनीतिक टारगेटिंग बता रहा है। सच आखिर क्या है यह जांच और अदालतों की प्रक्रिया तय करेगी। लेकिन फिलहाल बंगाल में चर्चा विकास रोजगार या प्रशासन की नहीं बल्कि छापों पूछताछ और राजनीतिक संदेशों की है। यही वजह है कि पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ यह नया छापों का मानसून सिर्फ कानूनी कार्रवाई की कहानी नहीं बल्कि सत्ता रणनीति और राजनीतिक मनोविज्ञान की भी कहानी बन चुका है।

अभिषेक के आवास पर छापेमारी, सुमित रॉय की तलाश तेज

पश्चिम मिदनापुर के सालबोनी पुलिस स्टेशन की एक टीम जिसकी अगुवाई डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस कर रहे थे और जिसके साथ सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान भी थे ने तड़के करीब 3 बजे दक्षिण कोलकाता के कालीघाट रोड पर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पर दबिश दी। इसके कुछ ही देर बाद स्थानीय कालीघाट पुलिस स्टेशन की एक और टीम वहां पहुंची सबसे पहले पुलिस टीम जिसमें महिला पुलिसकर्मी भी बड़ी संख्या में थीं ने घर के मुख्य दरवाजे पर बार-बार दस्तक दी। कोई जवाब न मिलने पर यह संयुक्त टीम घर के बाहर इंतजार करती रही। आखिरकार दो घंटे से ज्यादा इंतजार करने के बाद उन्होंने राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों की मदद से मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और घर के अंदर दाखिल हुए। पता चला है कि साल्बोनी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के सिलसिले में सुमित रॉय का पता लगाने के लिए ये छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए गए थे रॉय अभी फरार चल रहे हैं।

3 बजे सुबह दक्षिण कोलकाता के कालीघाट रोड पर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर दबिश

पूर्व सीएम ममता बनर्जी आगबबूला मौके पर पहुंची

सुबह-सुबह यह छापेमारी उन इनपुट मिलने के आधार पर की गयी थी जिसमें कहा गया था कि सुमित रॉय अभिषेक बनर्जी के घर पर छिपे हो सकते हैं। इस बीच छापेमारी की खबर मिलते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित अपने पास के घर से तुरंत अभिषेक बनर्जी के उस आवास पर पहुंची जहां छापा मारा गया था। दो घंटे से ज्यादा चले ऑपरेशन के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम अभिषेक बनर्जी के घर से रवाना हो गई। बाद में अभिषेक बनर्जी ने पुलिस पर ज्यादती का आरोप लगाया और मीडियाकर्मियों को बताया कि सुरक्षाकर्मी मुख्य गेट का ताला तोड़कर उनके घर में घुस आए थे।

टीएमसी विधायक मदन मित्रा के 7 ठिकानों पर छापेमारी

पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित नगर पालिका भर्ती घोटाले में ईडी ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व मंत्री मदन मित्रा से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। कोलकाता जोन की टीम ने आज मदन मित्रा से संबंधित 7 ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। यह पूरा मामला नगरपालिकाओं में नौकरी दिलाने के बदले कथित तौर पर करोड़ों रुपए के लेन देन से जुड़ा है। जांच में अब तक जो तथ्य सामने आए हैं उनके मुताबिक मदन मित्रा ने विभिन्न नगर पालिकाओं में अवैध नियुक्तियों के बदले मध्यस्थों के जरिए नकद और सोने के रूप में रिश्वत ली थी। इनमें कामारहाटी नगर पालिका भी शामिल है। आरोप है कि मदन मित्रा 125 से अधिक अवैध नियुक्तियों से सीधे जुड़े पाए गए हैं जिनमें अयोग्य उम्मीदवारों को नौकरियां दिलाई गईं। ईडी की टीम फिलहाल इन सभी ठिकानों से मिले दस्तावेजों डिजिटल उपकरणों और अन्य सबूतों की जांच कर रही है। इस मामले की आगे की जांच जारी है। ईडी को इस बहुचर्चित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जानकारी सबसे पहले तब मिली थी जब एजेंसी पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े प्रमोटर अयान शील के घर छापेमारी कर रही थी। जांच के दौरान कई अहम दस्तावेज और सूचनाएं सामने आईं जिसके बाद नगरपालिका भर्ती घोटाले की परतें खुलनी शुरू हुईं। बाद में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भी नगरपालिका नौकरियों के बदले कैश मामले में समानांतर जांच शुरू कर दी। जैसे-जैसे इन दोनों केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों ने जांच को आगे बढ़ाया राज्य के मंत्रियों और सत्ताधारी दल के नेताओं सहित कई राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए।

» 125 से ज्यादा अवैध भर्तियों का मामला

बीजेपी वाले एसी में, यूपी की आम जनता को बिजली तक नहीं : अखिलेश यादव

कटौती को लेकर सपा प्रमुख ने योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में बिजली कटौती को लेकर योगी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी बिना एसी के सोते नहीं और गरीबो के लिए बिजली नहीं। सपा मुखिया ने यूपी में बिजली कटौती से लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर भारतीय जनता पार्टी निशाना साधा और कहा कि बीजेपी के लोगों को बिना एसी के नींद नहीं आती लेकिन आम लोगों को बिजली नहीं दी जा रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एटा जनपद पहुंचे थे, जहां उन्होंने मीडिया से तमाम मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी, सपा अध्यक्ष ने 27 में पीडीए फॉर्मूले को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि पूजनीय शंकराचार्य जी भी पीड़ित, दुखी, अपमानित हो रहे हैं इस सरकार में, वह भी पीडीए हो गए हैं, इसलिए हम उनके साथ हैं, आम जनता उनके साथ हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग अगर आधी आबादी के आरक्षण की बात कर रहे हैं तो 27 में लागू कर दें. बहाना क्यों बना रहे हैं जब आरक्षण पास हो चुका है तो उसे लागू कर देना चाहिए।

बिना एसी के सीएम योगी सो नहीं पाते

यूपी में बिजली कटौती को लेकर भी अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा और कहा कि मुझे किसी ने बताया कि हमारे मुख्यमंत्री जी को बिना एसी के नींद ही नहीं आती.. बीजेपी के लोगों को बिना एसी के नींद ही नहीं आती और गरीब जनता को इन्होंने बिजली काट-काटकर परेशान कर दिया है. बिजली दे ही नहीं रहे हैं।

यूपी में लूट हो गई तो फिर कभी नहीं होंगे चुनाव

पूर्व मुख्यमंत्री ने बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने बंगाल में चुनाव लूटा है और बिहार चुनाव में बेईमानी की। अगर यही लूट और बेईमानी यूपी में भी हो गई तो भविष्य में कभी चुनाव नहीं होंगे। इसलिए भाजपा महिला आरक्षण बिल के साथ डिलिमिटेशन (परिसीमन) ला रही थी। ये ऐसी लोकसभा बनाना चाहते हैं, जिससे विपक्ष के नेता जीत न पाए। पंचायत चुनाव में देरी के सवाल पर बोले कि पंचायत चुनाव में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि इनका वन नेशन, वन इलेक्शन का फार्मूला फेल हो गया है। गांव के लोग भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है। उन्हें खाद की बोरी और डीजल नहीं मिल रहा। स्मार्ट मीटर लगाकर लूटने की तैयारी में थे। ग्रामीण अंचल में इनकी बुरी तरह हार होगी, इसलिए घबरा गए हैं।

समाजवादियों से दो बड़े और अच्छे काम बीजेपी बताए

अखिलेश ने कहा कि एटा के लोगों सोचना चाहिए कि एटा में बिजली का सबसे बड़ा कारखाना समाजवादियों ने लगाया है। उन्होंने पूछा कि बीजेपी का कोई एक काम ऐसा बता दो जो समाजवादियों से बड़ा और अच्छा हो, बीजेपी ने इससे बड़ा कोई एक काम किया हो वो बताईए, सपा ने जो एंबुलेंस चलाई थी वो एंबुलेंस बंद करवा दी। पुलिस को सौ नंबर दिया था पुलिस को भी करप्ट कर दिया। हमारी सरकार में कई ऐसे काम हुए जिन पर भाजपा ने अपनी मुहर लगा दी। जवाहर तापीय परियोजना सपा के शासन काल की है और बीजेपी उसे अपना बताती है. सपा मुखिया ने इनके पास किसानों के लिए खाद नहीं।

भाजपा हर क्षेत्र में फेल

केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के सवाल पर कहा कि सरकार की बस यही उपलब्धि है कि डीजल-पेट्रोल, खाद, सिलिंडर ऐतिहासिक महंगाई पर बिक रहे हैं। पेट्रोल में भी 20 प्रतिशत इथेनॉल की मिलावट की जा रही है। पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध में भारतीयों की मौत पर कहा कि यह हमारी विदेश नीति की चूक रही। अगर भारत मजबूती से खड़ा होता और युद्ध रोकने में कामयाब रहता तो लोगों की जान बच जाती। वहीं, अर्थव्यवस्था पर संकट नहीं आता। भारत युद्ध रोकने में कामयाब रहता तो पीएम मोदी को विश्व गुरु माना जाता। भाजपा के मेक इन इंडिया नारे पर तंज कसते हुए कहा कि इनके मुंह पर स्वदेशी है, लेकिन ये मन से विदेशी है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम लिए बगैर कहा कि जो अनरजिस्टर्ड लोग स्वदेशी-स्वदेशी बोलते थे, अब वो कहां है।

जिनका परिवार नहीं वो दुख-दर्द क्या जानें

बेटी पर की जा रही अभद्र टिप्पणियों पर सपा मुखिया ने कड़ा ऐतराज जताया है। सपा मुखिया ने कहा कि जो जिन लोगों को अपना परिवार नहीं है वो परिवारवालों का दुख नहीं समझ सकते। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बेटी पर की जा रही आपत्तिजनक टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए निशाना साधा और कहा कि जो ऊपर जो दो लोग बैठ हैं उनका परिवार नहीं है इसलिए वो परिवारवालों का दुख नहीं समझ सकते। बता दें कि अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह का अभद्र टिप्पणियां की जा रही है। जिसे लेकर सपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। सपा नेताओं की ओर से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की माँग की जा रही हैं। वहीं इस मामले पर कानपुर में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

रामनगर सीट के बदले भाजपा हमसे 10 सीट लेले : अरविंद

सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव ने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 27 से पहले कई तरह के सियासी घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर ने बड़ा सियासी पासा फेंका है।

सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर ने बाराबंकी की रामनगर विधानसभा क्षेत्र से संजय तिवारी को अपनी पार्टी से कैंडिडेट (प्रत्याशी) बना दिया। इसके साथ ही उन्होंने बाराबंकी में गठबंधन के तहत इसी सीट पर चुनाव लड़ने का खुला दावा भी ठोक दिया है। दरअसल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर बाराबंकी पहुंचे। उन्होंने रामनगर के एक निजी लॉन में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ अहम समीक्षा बैठक की और 27 विधानसभा चुनाव को लेकर जीत के मंत्र दिए। मीडिया से बातचीत के दौरान अरविंद

राजभर ने बाराबंकी में अपनी चुनावी रणनीति को पूरी तरह स्पष्ट किया. उन्होंने हाईलाइट करते हुए कहा कि हम उत्तर प्रदेश में वहीं चुनाव लड़ेंगे जहां हमारा मजबूत जन आधार होगा। बाराबंकी जिले में हमारा सबसे मजबूत जनाधार इसी रामनगर सीट पर है, इसलिए हम यहीं से चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। हम गठबंधन (भाजपा) से यह एक सीट अपने लिए मांग रहे हैं और इसके एवज में हम अन्य जगहों पर 10 सीटें छोड़ने को भी तैयार हैं।

जब उनसे पूछा गया कि भाजपा के पूर्व विधायक जो बहुत कम वोटों से हारे थे, वे भी यहां से दावेदार हैं, तो क्या भाजपा आपकी पार्टी को यह टिकट देगी, इस पर उन्होंने कहा कि हम खुद 17 सीटों पर लड़े थे और 10 सीटों पर महज 500 से 1000 वोटों के अंतर से हार गए थे। ऐसी सिचुएशन जहां भी आएगी, उस पर शीर्ष नेतृत्व मिलकर फैसला करेगा।

सुभासपा ने 56 सीटों पर बनाए कोऑर्डिनेटर और सब-कोऑर्डिनेटर

अरविंद राजभर ने बताया कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश की लगभग 56 विधानसभा सीटों पर अपने कोऑर्डिनेटर और सब-कोऑर्डिनेटर बनाए हैं, जहां संगठन और जातिगत आंकड़ों के आधार पर लगातार समीक्षाएं हो रही हैं. इसी कड़ी में आज रामनगर की समीक्षा की गई है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए गांवों में जाएं और चौपालों के माध्यम से पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार कर मतदाताओं को जोड़ें।

बीजेपी कमजोर है इसलिए विपक्ष को तोड़ रही : सपकाल

» सीएम फडणवीस के बयान पर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने विपक्षी दलों के नेताओं के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर टिप्पणी की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार करते हुए सपकाल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) 'कमजोर' है क्योंकि वह विरोधी पार्टियों को तोड़ती है और उनके नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करती है।

सपकाल ने यह बयान सीएम फडणवीस के उस टिप्पणी पर दिया कि जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस 'डूबता जहाज' है और कोई भी समझदार व्यक्ति उसमें शामिल नहीं होगा। सपकाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जो लोग कांग्रेस को लेकर चिंतित हैं, उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है. कांग्रेस इस देश के डीएनए, आम लोगों और हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति व विरासत से जुड़ी हुई है। हर्षवर्धन सपकाल ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, अगर बीजेपी ने सच में विकास किया है, तो उसे तथ्यों के साथ अपना कामकाज लोगों के सामने रखना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, जब आप दूसरी पार्टियों को तोड़ते हैं और बाहर से नेताओं को शामिल करते हैं, तो इसका अभिप्राय है कि आप कमजोर हैं। आपको दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत पड़ती है, तो इससे ज्ञात होता है कि आपकी अपनी पार्टी कमजोर हो रही है। सपकाल ने आगे कहा, अगर एक जैसी विचारधारा वाली पार्टियां बीजेपी का मुकाबला करने के लिए एकजुट होती हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है उन्होंने कहा, अगर एक जैसी विचारधारा वाली पार्टियां बीजेपी से लड़ने के लिए एक साथ आती हैं, तो इसमें क्या गलत है? थोड़ा सब्र रखें और देखें कि आगे क्या होता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

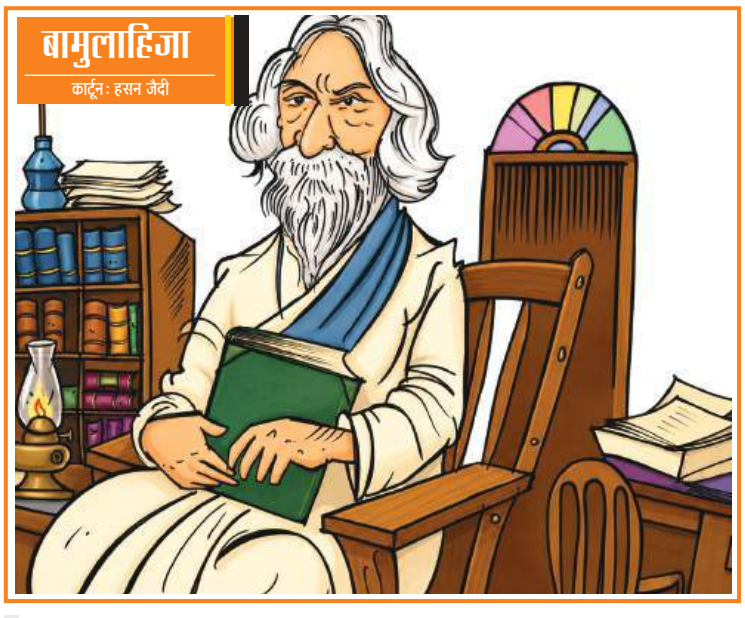

अब पीछे नहीं हटेगा युवा : अभिजीत दीपके

» कई संगठनों ने ईको गार्डन में किया विरोध-प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आइसा, कॉकरोच जनता पार्टी समेत कई युवा संगठनों ने राजधानी के ईको गार्डन में विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिजीत दीपके ने एलान किया कि अब युवा पीछे नहीं हटेंगे। राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) के बैनर तले ईको गार्डन में युवाओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्र व राज्य सरकार को घेरा।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने कहा कि युवा अब पीछे नहीं

हटेंगे। प्रदर्शन में विभिन्न जिलों से करीब चार हजार युवा जुटे थे। शुरुआत में भीड़ दिशाहीन दिखी, लेकिन अभिजीत दीपके के आने से उसे दिशा मिली। अभिजीत ने सड़क पर धरना दिया और छात्रों के आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तरदायित्व तय करने की बात कही। अभिजीत ने युवाओं से 20 जून को दिल्ली में होने वाले अगले प्रदर्शन में पहुंचने की अपील की। उन्हें देखने और सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी, जिससे समर्थकों को सुरक्षा घेरा बनाए रखना मुश्किल हुआ। आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा ने कहा कि सरकार के दमन के बावजूद युवा एकजुट हुए हैं। उन्होंने लाखों खाली पदों को भरे जाने तक लड़ाई जारी रखने का एलान किया।

आइसा प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि शिक्षा और रोजगार की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है। अध्यापक सुनील यादव ने समयबद्ध और पारदर्शी परीक्षा कराने को सरकार की जिम्मेदारी बताया। प्रतियोगी छात्र अखिलेश ने खाली पदों और पेपर लीक पर सरकार को घेरा।

एकबार फिर पूरे तेवर में आएगा विपक्ष

इंडिया गठबंधन बैठक से एनडीए में घबराहट

- राहुल के नेतृत्तव में विपक्ष एकजुट, कांग्रेस के साथ 23 दल
- मोदी सरकार के खिलाफ महागठबंधन 2.0 की पटकथा लिखी जा रही है?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जो हुआ वह सिर्फ एक राजनीतिक बैठक नहीं थी। यह सत्ता के गलियारों में गूंजती एक ऐसी चेतावनी दिखी जिसने भारतीय राजनीति के तापमान को अचानक कई डिग्री बढ़ा दिया है। देश के 23 से अधिक बड़े राजनीतिक दल एक मंच पर दिखाई दिए।

मंच पर चेहरे अलग-अलग थे विचारधाराएं अलग थीं राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अलग थीं लेकिन उन सभी के निशाने पर नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार है। ममता बनर्जी की पहल पर बुलाई गई इस बैठक में उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, वामपंथी दलों के प्रतिनिधि और कई क्षेत्रीय ताकतें मौजूद रहीं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि कौन आया और कौन नहीं आया। असली सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि वर्षों तक एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले नेता अब एक ही मेज पर बैठकर आर पार की लड़ाई की बात कर रहे हैं?

क्या इस जमावड़े में सरकार को हिलाने का दम है?

कागज पर देखें तो इस बैठक में शामिल दलों के पास करोड़ों वोट हैं कई राज्यों में इनकी सरकारे रही है या फिर हैं। यह दल क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत जनाधार रखते हैं। ममता बनर्जी बंगाल में प्रभावशाली हैं, अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में बड़ी ताकत हैं, उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं और दक्षिण भारत में भी कई क्षेत्रीय दल भाजपा को चुनौती देते हैं। लेकिन भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि केवल नेताओं की संख्या से सरकारें नहीं हिलतीं। विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा नेतृत्व, एजेंडा और आपसी भरोसा रही है। जब तक सभी दल एक साझा रणनीति और स्पष्ट लक्ष्य पर सहमत नहीं होते तब तक ऐसी बैठकें सुर्खियां तो बनाती हैं लेकिन परिणाम नहीं। भाजपा की ताकत सिर्फ नरेंद्र मोदी नहीं हैं। उसका विशाल संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और संसाधनों की उपलब्धता उसे अलग बढ़त देते हैं। विपक्ष को यदि वास्तव में चुनौती पेश करनी है तो उसे केवल मोदी विरोध नहीं बल्कि वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टि भी प्रस्तुत करनी होगी। पूरे सूरतेहाल को देखने के बाद कहा जा सकता है कि विपक्षी राजनीतिक एकता लगातार बढ़ रही है। सत्ता एक ही फार्मूले पर चलती है फूट डालो राज करो। सवाल यही है कि समय बदल गया है और कल तक जो राजनीतिक दल एक दूसरे को कोसते थे आज वह सब एक प्लेटफार्म पर बैठकर मोदी सरकार को हटाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

नहीं पहुंचे आप और डीएमके नेता

दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक से आम आदमी पार्टी और डीएमके ने दूरी बना कर रखी। डीएमके की दूरी तो समझ में आती है लेकिन आम आदमी पार्टी की गठबंधन से दूरी एक नये सवाल को जन्म दे रही है कि अरविंद केजरीवाल कौन सी राजनीतिक खिचड़ी पकाने के चक्कर में हैं। जानकारों के मुताबिक आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन के मंच पर पंजाब चुनाव के कारण दूरी बना रही है। क्योंकि पंजाब में आप और कांग्रेस दोनों सशक्त दल है। सवान यही है? कि अगर दो मजबूत लोग एक मंच पर आते हैं तो मंच और मजबूत होता है ऐसे में विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाने का दावा कर रहा था तब इन दोनों दलों की गैरमौजूदगी ने विपक्षी एकता की तस्वीर पर हल्का सा धब्बा जरूर लगा दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ कार्यक्रमगत व्यस्तता का मामला नहीं बल्कि गठबंधन के भीतर चल रही खींचतान और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का भी संकेत हो सकता है।

मोदी सरकार पर जमकर हमला

बैठक में मोदी सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए। विपक्ष का कहना है कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर की जा रही हैं। संविधान की मूल भावना पर लगातार चोट हो रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार की तरह किया जा रहा है और करोड़ों लोगों की रोजी रोटी से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। विपक्ष यह भी दावा कर रहा है कि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं जो लोकतंत्र की बुनियाद को प्रभावित कर सकते हैं।

साझा राष्ट्रीय अभियान की जमीन तैयार

राजनीति में आरोप लगाना नयी बात नहीं है। नयी बात यह है कि इस बार विपक्ष केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं कर रहा बल्कि एक साझा राष्ट्रीय अभियान की जमीन तैयार करता दिख रहा है। राहुल गांधी लंबे समय से लोकतंत्र संविधान और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। अब उन्हीं मुद्दों पर कई क्षेत्रीय दल भी सार्वजनिक

रूप से सहमति जताते दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। एक तरफ भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है और लगातार चुनावी सफलताओं का हवाला देती है। दूसरी तरफ विपक्ष यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि लड़ाई सिर्फ सत्ता की नहीं बल्कि व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं की है।

जांच एजेंसियों का इस्तेमाल डराने के लिए किया जा रहा है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक में बोलते हुए कहा कि मैं इंडिया समूह के नेताओं की इस बैठक में आप सभी का स्वागत करता हूं। यह समूह लगभग ठीक तीन साल पहले अस्तित्व में आया था। मैं ज्यादा नहीं बोलना चाहता क्योंकि हमारे सामने मौजूद मुद्दे आप सभी अच्छी तरह जानते हैं। हमने 17 अप्रैल को लोकसभा में अपनी एकजुटता और एकता को बहुत निर्णायक तरीके से दिखाया जब हम सबने

मजबूती से एकजुट होकर डिलिमिटेशन पर केंद्र सरकार के दुर्भावनापूर्ण बिलों को परास्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब हमें उसी भावना को और मजबूत करना है और आगे बढ़ाना है ताकि केंद्र सरकार के कुशासन के कारण देश के सामने खड़ी कई राजनीतिक आर्थिक सामाजिक और विदेश नीति से जुड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सके। एसआईआर के कारण करोड़ों लोगों से उनका मताधिकार छीना जा रहा है। संविधान पर हमला लगातार जारी है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने और डराने-धमकाने के औजार के रूप में लगातार किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गैर भाजपा सरकारों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। जरूरी वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आर्थिक माहौल बेहद नकारात्मक है। नई नौकरियां पैदा करने के लिए जिस रफ्तार से नए निवेश आने चाहिए, वे बिल्कुल उस रफ्तार से नहीं आ रहे हैं। कई क्षेत्रों में निजी एकाधिकार बढ़ रहा है और एमएसएमई का भविष्य गंभीर संकट में है। परीक्षा प्रणाली के पूर्ण कुप्रबंधन के कारण हमारे लाखों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। समाज के कमजोर वर्गों पर अत्याचार खासकर भाजपा शासित राज्यों में लगातार जारी हैं। हमारी विदेश नीति के साथ पूरी तरह से समझौता किया गया है और उन पारंपरिक मूल्यों को कायम नहीं रखा गया है जिनका भारत लंबे समय से पुरजोर समर्थन करता रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बिजली उपभोक्ताओं को छोड़ दिया भगवान भरोसे

गर्मी बढ़ने से बिजली कटौती से पूरा राज्य त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। उपर से बिजली बिल में बढ़ोत्तरी की बात से भी लोग सहमे हुए हैं। इससे पहले जिन लोगों ने अपने घरों में स्मार्टमीटर खासतौर प्रीपेड लगवा रखा है। उनके खाते में पैसा कम होने पर बिजली कट जा रही थी। उधर बिजली कटौती की शिकायत करने पर सुनवाई में देरी होने से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

यूपी में लखनऊ समेत कई शहरों के बिजली उपभोक्ता नई परेशानी से जूझ रहे हैं। गर्मी बढ़ने से बिजली कटौती से पूरा राज्य त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। उपर से बिजली बिल में बढ़ोत्तरी की बात से भी लोग सहमे हुए हैं। इससे पहले जिन लोगों ने अपने घरों में स्मार्टमीटर खासतौर प्रीपेड लगवा रखा है। उनके खाते में पैसा कम होने पर बिजली कट जा रही थी। उधर बिजली कटौती की शिकायत करने पर सुनवाई में देरी होने से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। हालांकि काफी विरोध के बाद सरकार इस पर ध्यान देने की बात कही है। पर ये ठीक नहीं है। सबसे बड़ी बात बिजली कंपनियों के घाटे का ठीकरा आम जनता पर फोड़ना सही नहीं है। स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं, फिर भी उपभोक्ताओं पर दबाव और बिजली कंपनियों के घाटे का मुद्दा बना हुआ है। औद्योगिक कंपनियों को प्री-पेड मीटर के लिए बाध्य नहीं किया जाता, लेकिन आम उपभोक्ताओं को इसके लिए मजबूर किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर की व्यवस्था के पीछे की मंशा यदि वास्तव में बिजली कंपनियों को घाटे से उबारना है तो यह दोहरा बर्ताव क्यों? जब किसी समस्या के समाधान का प्रयास नई समस्या पैदा करने लगे तब समझना चाहिए कि बिल्लियों के झगड़े में कोई बंदर आ गया है। बिजली के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल खट्टर का लोकसभा में यह बयान कि स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं, जबरन इसे नहीं थोपा जा सकता और राज्यों की हकीकत में बड़ा अंतर है। मंत्री ने बताया कि विद्युत कंपनियां सात लाख करोड़ रुपए के घाटे में हैं, इसीलिए प्री-पेड स्मार्ट मीटर की व्यवस्था की गई है। बिजली कंपनियों को घाटे से उबारने के कदम के रूप में इसे उचित ठहराया जा सकता है। लेकिन, राज्य का बिजली विभाग नए मीटर के लिए दबाव बनाने लगे और स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अनाप-शनाप बिल आने से उपभोक्ता परेशान हो जाएं तो क्या कहा जाएगा। इतना ही नहीं, विद्युत उपभोक्ता अधिकार नियम, 2020 में तो यह भी व्यवस्था कर दी गई है कि नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट मीटर के साथ ही दिए जाएंगे। स्थिति से जाहिर है कि अनिवार्य न होने के बावजूद स्मार्ट मीटर परोक्ष रूप से एक अनिवार्य व्यवस्था ही है।इसमें दो राय नहीं कि ऐसे बिजली उपभोक्ताओं की बड़ी संख्या है जो बिल का भुगतान करने में आनाकानी करते हैं। आम उपभोक्ता ही नहीं, बड़ी-बड़ी कंपनियां और संस्थान भी इस कोशिश में रहते हैं कि भुगतान न करना पड़े।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बचत के विरोधाभासी चक्र में फंसी पीढ़ी

हरजीत सिंह

बचत करने की आदत हम भारतीयों के स्वभाव के मूल में है। देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरीके की 'गुल्लक संस्कृति' है। कभी बच्चों के शादी-ब्याह के नाम पर आय का एक हिस्सा बचाकर रखना तो कभी घर बनाने के लिए बचत। छोटी-छोटी बचत अनेक बार बड़ी काम आती है। बचाने की इस प्रवृत्ति के कारण ही अनेक बार मंदी के दौर में उतना बड़ा झटका आम लोगों को नहीं लगा, जितनी आशंका जताई गयी थी। नोटबंदी के दौरान गुल्लक संस्कृति काम आई। बड़े नोट बंद हुए, लेकिन छोटी-छोटी बचत वालों ने उस दौर में अपने इन छोटे नोटों से ही काम चलाया। इस बचत की संस्कृति को समझते हुए अनेक सरकारों ने भी समय-समय पर कई योजनाएं शुरू कीं। मसलन-किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना, लाडो लक्ष्मी, कन्या सुमंगल, महिला सम्मान बचत वगैरह-वगैरह।

लेकिन आज, बदले वैश्विक परिदृश्य में सत्ता के शिखर से बचत का एक अन्य मंत्र दिया जा रहा है। विदेश यात्राओं से परहेज करें। अभी आभूषण नहीं खरीदें। ईंधन बचाएं। अघोषित तरीके से सीधा संदेश यह भी है कि बचत करें। आज की युवा पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंसी है। वह घूमने-फिरने की शौकीन है। वह नये-नये कपड़े खरीदने, खानपान के नये अड्डों में जाने और आभूषणों को खरीदने की शौकीन है। यह पीढ़ी क्रेडिट कार्ड संस्कृति वाली है। जितना है, उससे भी ज्यादा खर्च करने में विश्वास। यानी इस पीढ़ी को बचत की बहुत ज्यादा फिक्र नहीं है। पहले से ही खुलकर खर्च करने वाली इस पीढ़ी को लेकर रही-सही कसर आयकर प्रणाली की नयी व्यवस्था ने पूरी कर दी है। करीब 12 लाख रुपये तक कोई कर नहीं, उसके बाद बचत का कोई फायदा नहीं। पुरानी व्यवस्था में टैक्स बचाने के नाम पर ही सही, नौकरी-पेशा व्यक्ति एक सीमा तक बचत करने की कोशिश करता था। शायद इसी बहाने कुछ बच जाये। अब, चूंकि बचत योजनाओं से ज्यादा फायदा होना ही नहीं है तो उस ओर सोचना ही क्या? प्रोविडेंट फंड योजना में अभी बेसिक वेतन का 12 प्रतिशत जमा होने का प्रावधान है।

इसे 30 प्रतिशत तक बढ़ा भी सकते हैं। आमतौर पर इसे सेवानिवृत्ति के लिए बचाया गया धन माना जाता है। इस बचत से पैसा निकालना कठिन होता था। अभी तक भी ऐसा ही है, लेकिन अब इसमें भी नयी व्यवस्था पर काम लगभग पूरा हो चुका है। इस बचत को भी अब सेविंग

अकाउंट की तरह बनाने की कवायद चल रही है। यानी एटीएम की तरह इसमें से पैसे निकाले जा सकते हैं। नयी व्यवस्था के मुताबिक कर्मचारी को अपने नियोक्ता से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। गौर हो कि पहले पीएफ राशि निकालना बहुत आसान नहीं था। अब नयी व्यवस्था में अपने कुल पीएफ राशि का पचास से 75 फीसदी तक सीधे निकाला जा सकता है। हालांकि, बदले नियमों के तहत खाते में हर समय कुल योगदान का न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखना अनिवार्य है। एक तरफ बचत की बात और दूसरी ओर खर्च करने के लिए इतनी छूट। आज का युवा वर्ग बचत के इस मंत्र में विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंस गया है। चक्रव्यूह का पहला द्वार तो वे खुद ही हैं। खाओ-पीओ, घूमो-फिरो और ऐश करो की नीति। इस द्वार को किसी तरह पार कर भी लें या यूं कहें कि अपनी आदतों पर किसी तरह काबू पा भी लें तो दूसरा द्वार आयकर में अब बचत प्रावधान करीब-करीब खत्म। टैक्स स्लैब में फायदा मिलना ही नहीं है या टैक्स कटना ही है तो कोई अतिरिक्त बचत करके फायदा क्या? इसे भी पार पाने की जुगत कर ले। या बचत जरूरी है मानकर कुछ बचा भी ले तो अब पीएफ से निकासी की नयी व्यवस्था। यह तो सर्वमान्य सत्य है कि घर-गृहस्थी में रुपयों की जरूरत आये दिन रहती है। अपनी कमाई से भी अधिक की जरूरत होती है। इस पर साधारण-सा मनोवज्ञान है कि लोन आदि लेने से पहले व्यक्ति अपनी ही बचत पर नजर डालता है। ऐसे में उसे अब सबसे पहले पीएफ ही नजर आएगा। वैसे जानकार कहते हैं कि बेशक आज का युवा इससे पहले की पीढ़ी के लोगों से जरा हटकर है, लेकिन वह शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड और एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में दूसरी तरह से बचत करता है।

हालांकि ये सब 'सब्जेक्ट टू मार्केट रिस्क' हैं, लेकिन वह जोखिम ले लेता है। इसमें कुछ पार पा लेते हैं, कुछ गंवा बैठते हैं। 'जनरेशन गैप' के तथ्यों से इतर वह भविष्य की योजनाएं भी करता है, उसका स्वरूप दूसरा होता है। उसके फोन में बचत विशेष के कई एप हैं। बदलते दौर में यह तो मानकर चलना पड़ेगा कि बेशक बचत मंत्र में विरोधाभास हो, लेकिन नयी पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह से निकल ही जाएगी। फिर नियम भी बदलते रहते हैं, समय चक्र की तरह। विरोधाभास के इस चक्रव्यूह को तोड़ने की जरूरत पड़ी तो वह बाहर आने की कोशिश कर लेगा।

फुटबाल विश्व कप में तीसरी दुनिया की दस्तक

हरजीत सिंह

शुरू हो चुके तेईसवें विश्व कप फुटबाल में लेतिन अमेरिका और यूरोपीय देशों के मुकाबले में तीसरी दुनिया के देश—मिस्र, दक्षिण कोरिया, ईरान, इराक, जापान, मोरक्को, घाना, अल्जीरिया, सेनेगल-कुल मिला कर 23 देश नजर आयेंगे। यह तय है कि विश्व फुटबाल पर लेतिन अमेरिकी (10 खिताब) और यूरोपीय देशों (12 खिताब) के वर्चस्व को अभी तो कोई खतरा नहीं है। पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में खासकर 1982 से तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं।

आठवें दशक के अंत में जब फीफा अध्यक्ष हवेलेंज ने यह प्रस्ताव रखा था कि 1982 विश्व कप में 16 की बजाय 24 टीमें भाग लेंगी, तब उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस प्रस्ताव की आलोचना करने वालों में फुटबाल की श्रेष्ठ शक्तियां ही थीं, जबकि तीसरी दुनिया के देशों ने प्रस्ताव का स्वागत किया था। आलोचकों का कहना था कि इस स्वरूप के परिवर्तन से हालैंड की जगह न्यूजीलैंड, आयरलैंड की जगह कैमरून, उरुग्वे की जगह कुवैत, स्काटलैंड की जगह अल्जीरिया आदि कमजोर टीमें विश्व कप में पहुंच जायेंगी और इस से फुटबाल का स्तर गिरेगा, लेकिन इन्हीं आलोचकों को तब मुंह की खानी पड़ी, जब 1982 विश्व कप में अल्जीरिया ने दो बार की चैंपियन पश्चिम जर्मनी को 2-1 से पीट दिया। अल्जीरिया ने पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद चिली टीम को भी हराया, पर वह गोल औसत के आधार पर दूसरे चक्र में न पहुंच सके।

इस विश्व कप में एक अन्य अफ्रीकी देश कैमरून ने अपने ग्रुप के तीनों ही मैच इटली, पौलेंड व पेरु के विरुद्ध बराबर रखे, वह भी मात्र गोल औसत के आधार पर प्रतियोगिता से बाहर हो गये। विश्व कप फुटबाल पर एक नजर डाली जाए तो कुछ मुकाबलों को छोड़कर तीसरी दुनिया के देशों ने कई मैचों में सराहनीय खेल का प्रदर्शन दिखाया है। पहले किसी अफ्रीकी देश के रूप में मिस्र ने 1934 में विश्व कप फुटबाल में भाग लिया था। अपने एकमात्र मैच में वे हंगरी से 4-2 से हारे। तीसरी दुनिया के देशों की विश्व कप में पहली बड़ी सफलता 1966 विश्व कप में देखने को मिली, जब उत्तरी कोरिया की टीम ने दो बार की चैंपियन इटली को 1-0 से पीट डाला। कोरिया का प्रदर्शन इतना अच्छा रहा कि उन्हें सेमीफाइनल में जाने से रोकने के लिए पुर्तगाल को पूरा जोर लगाना पड़ा क्योंकि कोरिया एक समय 3-0 से आगे थी। फाइनल स्कोर 5-3 पुर्तगाल के पक्ष में रहा। वर्ष 1970 में अफ्रीका के छोटे से देश मोरक्को ने अपनी सुंदर फुटबाल से सब का मन मोह लिया। बुलगारिया के विरुद्ध उन्होंने मैच बराबर रखा, जबकि पश्चिम जर्मनी के विरुद्ध पहले हाफ में 1-0 से बढ़त लेने के बाद 2-1 से हारे। वर्ष 1986 विश्व कप में एक बार फिर अफ्रीका के इस देश ने सबको चकित कर दिया। वह अपने ग्रुप में इंग्लैंड, पौलेंड और पुर्तगाल जैसी सशक्त टीमों से ऊपर रहे और दूसरे चक्र में खेले। पुर्तगाल को उन्होंने 3-1 से पीटा और इंग्लैंड व पौलेंड के विरुद्ध मैच गोल-रहित रखे। दूसरे चक्र में भी इस टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, पर कड़े संघर्ष के बावजूद वह पश्चिमी जर्मनी से 1-0 से हार गये। इस प्रकार मोरक्को पहली अफ्रीकी टीम बनी जो यूरोप और अमेरिका (1966 में उत्तर कोरिया के बाद) के बाहर से केवल दूसरा राष्ट्र रहा जो दूसरे दौर में पहुंचा। इसी मोरक्को ने 2022 विश्व कप फुटबाल में कमाल कर दिया जब वह चौथे स्थान पर रहा। यह किसी भी अफ्रीकी या अरब राष्ट्र का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप फिनिश रहा। अपने ग्रुप में टॉप पर रहने के बाद मोरक्को ने दूसरे दौर में स्पेन को हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पुर्तगाल को हराया। तीसरे स्थान के लिए वह क्रोएशिया से हार गए। कैमरून 1990 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी।

उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना पर चौंकाने वाली जीत के साथ की। वे क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हारे। तीसरी दुनिया का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन 2002 विश्व कप फुटबाल में देखने को मिला। पहले ही दिन अफ्रीकी देश सेनेगल ने गत चैंपियन फ्रांस को 1-0 से हराया। जब सेनेगल ने अतिरिक्त समय में गोल्डन गोल के साथ स्वीडन को 2-1 से हराया, तो अंतिम आठ में पहुंचने वाली केवल दूसरी अफ्रीकी टीम बन गई (1990 में कैमरून के बाद)। एक और हैरान करने वाली टीम मेजबान दक्षिण कोरिया रही। वे पोलैंड (2-0), पुर्तगाल (1-0), इटली (2-1) और स्पेन (पेनल्टी 5-3) को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। ऐसा करने वाली पहली एशियाई टीम रही। तीसरे स्थान के लिए तुर्की ने दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराया। वर्ष 2010 विश्व कप के राउंड 16 में, घाना अतिरिक्त समय के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका को हराकर अंतिम आठ में पहुंचने वाला तीसरा अफ्रीकी देश बना (1990 में कैमरून और 2002 में सेनेगल के बाद)। 2014 में पहली बार, अफ्रीका (नाइजीरिया और अल्जीरिया) की दो टीमें दूसरे दौर में आगे बढ़ीं, एक उपलब्धि जो 2022 के टूर्नामेंट में दोहराई गई। पिछले विश्व कप में तीसरी दुनिया के चार देश-दो अफ्रीका से और दो एशिया से दूसरे दौर में रहे। सेनेगल, मोरक्को, जापान और दक्षिण कोरिया में से सिर्फ मोरक्को ही आगे बढ़कर चौथे स्थान पर रहा।

घर में ऐसे बनाएं पनीर की सब्जी

पाएं रेस्टोरेंट जैसा स्वाद

पनीर की सब्जी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है, लेकिन अक्सर घर पर वह रेस्टोरेंट वाला मैजिक नहीं मिल पाता। कई बार हम मसालों के चुनाव में उलझ जाते हैं, जिससे सब्जी का असली स्वाद दब जाता है। मगर आज हम आपको पनीर एक ऐसी सीक्रेट रेसिपी बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप कम से कम मसालों में एक ऐसी लजीज सब्जी तैयार कर सकते हैं कि खाने वाले उंगलियां चाटते रह जाएंगे। इसकी खासियत इसका ताजा पिसा हुआ मसाला है, जो ग्रेवी को एक गहरा और शाही स्वाद देता है। अगर आप कुकिंग में नए हैं या बार-बार कोशिश के बाद भी फेल हो रहे हैं, तो यह तरीका आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। पनीर की यह झटपट रेसिपी आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। खास बात यह है कि इस रेसिपी को बनाने के लिए ढेरों मसालों की नहीं, बल्कि सही तरीके की जरूरत है।

सामग्री

आपको बस एक बड़ी इलायची, दो छोटी इलायची, एक दालचिनी का टुकड़ा, काली मिर्च, लौंग, प्याज, तेजपत्ता, जीरा, लहसुन और मिर्च जैसी बुनियादी चीजों की जरूरत है। घर के साधारण मसालों से तैयार यह डिश रेस्टोरेंट जैसा स्वाद दे सकती है।

विधि

सबसे पहले प्याज, बड़ी इलायची, दो छोटी इलायची, जीरा, काली मिर्च, लौंग, लहसुन और 3 लाल व 3 हरी मिर्च को एक साथ मिक्सर में डाल लें। इन सभी चीजों को थोड़ा पानी डालकर एक महीन पेस्ट बना लें, ध्यान रखें कि खड़े मसालों को प्याज के साथ पीसने से ग्रेवी में खुशबू दोगुनी हो जाती है। यह ताजा मसाला ही आपकी सब्जी को वह रेस्टोरेंट वाला फ्लेवर देगा जो बाजार के पिसे हुए पाउडर मसालों से नहीं मिल पाता। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और तैयार किया हुआ पेस्ट सावधानी से डालें, इसे मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें। मसाले को तब तक भूनना है जब तक वह गहरा लाल न हो जाए और कड़ाही के किनारों से तेल न छोड़ने लगे। मसाले का तेल छोड़ना इस बात का संकेत है कि प्याज और लहसुन का कच्चापन पूरी तरह खत्म हो चुका है और ग्रेवी पकने के लिए तैयार है।

जब मसाला भून जाए, तो अपनी पसंद के अनुसार ग्रेवी के लिए पानी डालें और एक उबाल आने दें। अब इसमें पनीर के टुकड़े डालें और धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकने दें ताकि पनीर मसालों को सोख ले। अंत में ढेर सारा बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालें, धनिया न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सब्जी को एक फ्रेश लुक भी देता है। इस तरीके से बनी सब्जी को आप रोटी, नान या गरमा-गरम चावल के साथ परोस सकते हैं। घर आए मेहमानों को जब आप यह परोसेंगे, तो वे यकीन नहीं कर पाएंगे कि इसे इतनी आसानी से बनाया गया है।

15 मिनट में तैयार करें इंस्टेंट डोसा

डोसा, दक्षिण भारतीय खाने का एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। ये खाने में जितना स्वादिष्ट लगता है, उतना ही इसे बनाना कठिन है। इसकी तैयारी में सबसे कठिन काम है दाल और चावल को रातभर भिगोकर फिर अगले दिन उसे पीसना। इसी झंझट की वजह से बहुत से लोग तो डोसा बनाते ही नहीं हैं। लेकिन आप इंस्टेंट भी डोसा बनाकर तैयार कर सकते हैं। दरअसल, चावल के आटे की मदद से आसानी से और जल्दी डोसा तैयार किया जा सकता है। ये तरीका न केवल समय बचाता है बल्कि नए टेस्ट के साथ क्रिस्पी और गोल्डन ब्राउन डोसा बनाने में भी मदद करता है। इस विधि से आप चाहें तो सादे डोसा के साथ विभिन्न चटनी और सांभर का आनंद ले सकते हैं। बच्चों और बड़ों को यह तरीका बहुत पसंद आएगा, क्योंकि यह पारंपरिक स्वाद को बनाए रखते हुए तैयार करना बेहद आसान है।

इसे नारियल चटनी, हरी धनिया चटनी या गरमागरम सांभर के साथ खाया जा सकता है

विधि

चावल के आटे से डोसा बनाने के लिए सबसे पहले एक कप चावल का आटा लें और इसमें धीरे-धीरे आधा कप पानी डालकर घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि घोल न बहुत पतला हो और न ही ज्यादा गाढ़ा, क्योंकि इसकी स्थिरता डोसा की क्रिस्पी टेक्सचर और फैलाव को तय करेगी। अब इसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं और घोल को लगभग 5-8 मिनट के लिए अलग रख दें। अब इसमें हरी मिर्च, धनिया पत्ती, जीरा और चिली फ्लैक्स डालें, ताकि आप इसे सिर्फ चटनी के साथ भी खा सकें। घोल तो तैयार होने के बाद तवा या नॉन-स्टिक पैन को मध्यम आंच पर अच्छी तरह गर्म करें और हल्का तेल या घी लगाएं ताकि डोसा चिपके नहीं। जब तवा तैयार हो जाए, तो एक छोटी कटोरी की मदद से घोल लेकर तवे पर बीच से बाहर की ओर गोलाकार फैलाएं। डोसा जितना पतला फैलेगा, उतना ही कुरकुरा और हल्का बनेगा। अब इसे मध्यम आंच पर दो से तीन मिनट तक पकने दें। ध्यान दें कि डोसा के किनारे हल्के सुनहरे और कुरकुरे होने लगें। इस समय आप ऊपर से थोड़ा सा घी या तेल डालकर स्वाद बढ़ा सकते हैं। डोसा तैयार होने के बाद इसे तुरंत परोसें। आप इसे सिर्फ चटनी के साथ भी खा सकते हैं, क्योंकि इसमें आपने पहले से ही थोड़े मसाले डाल रखें हैं। डोसा हमेशा मध्यम आंच पर पकाएं ताकि यह भीतर से पूरी तरह पके और बाहर से कुरकुरा बने। बचे हुए डोसे को बाद में हल्का सेक कर भी परोसा जा सकता है। इस आसान विधि से आप पारंपरिक दाल भिगोने की झंझट को छोड़कर जल्दी और स्वादिष्ट डोसा तैयार कर सकते हैं।

हंसना मना है

बेटा- पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा- बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता है, बेटा- पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नहीं परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त-कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त- स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त- मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर- इतने दिन से कहा थे? लड़का- बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर-पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का- आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

आदमी- सर, मेरी वाइफ घूम गई है, पोस्टमन- यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी- ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

कहानी — सभी के कर्म एक समान नहीं हैं

एक बार एक शिव भक्त धनिक शिवालय जाता है। पैरों में महंगे और नये जूते होने पर सोचता है कि क्या करूं? यदि बाहर उतार कर जाता हूं तो कोई उठा न ले जाये और अंदर पूजा में मन भी नहीं लगेगा। सारा ध्यान जूतों पर ही रहेगा। उसे बाहर एक भिखारी बैठा दिखाई देता है। वह धनिक भिखारी से कहता है- भाई मेरे जूतों का ध्यान रखोगे? जब तक मैं पूजा करके वापस न आ जाऊं, भिखारी- हां कर देता है। अंदर पूजा करते समय धनिक सोचता है कि हे प्रभु! आपने यह कैसा असंतुलित संसार बनाया है? किसी को इतना धन दिया है कि वह पैरों तक में महंगे जूते पहनता है तो किसी को अपना पेट भरने के लिये भीख तक मांगनी पड़ती है! कितना अच्छा हो कि सभी एक समान हो जायें। वह धनिक निश्चय करता है कि वह बाहर आकर भिखारी को 100 का एक नोट देगा। बाहर आकर वह धनिक देखता है कि वहां न तो वह भिखारी है और न ही उसके जूते ही। धनिक ठगा सा रह जाता है। वह कुछ देर भिखारी का इंतजार करता है कि शायद भिखारी किसी काम से कहीं चला गया हो। पर वह नहीं आया। धनिक दुखी मन से नंगे पैर घर के लिये चल देता है। रास्ते में फुटपाथ पर देखता है कि एक आदमी जूते चप्पल बेच रहा है। धनिक चप्पल खरीदने के उद्देश्य से वहां पहुंचता है, पर क्या देखता है कि उसके जूते भी वहां रखे हैं। जब धनिक दबाव डालकर उससे जूतों के बारे में पूछता है तो वह आदमी बताता है कि एक भिखारी उन जूतों को 100 रु. में बेच गया है। धनिक वहीं खड़े होकर कुछ सोचता है और मुस्कराते हुये नंगे पैर ही घर के लिये चल देता है। उस दिन धनिक को उसके सवालों के जवाब मिल गये थे। समाज में कभी एकरूपता नहीं आ सकती, क्योंकि हमारे कर्म कभी भी एक समान नहीं हो सकते। और जिस दिन ऐसा हो गया उस दिन समाज-संसार की सारी विषमतायें समाप्त हो जायेंगी। ईश्वर ने हर एक मनुष्य के भाग्य में लिख दिया है कि किसको कब और क्या और कहां मिलेगा। पर यह नहीं लिखा होता है कि वह कैसे मिलेगा। यह हमारे कर्म तय करते हैं। जैसे कि भिखारी के लिये उस दिन तय था कि उसे 100 रु. मिलेंगे, पर कैसे मिलेंगे यह उस भिखारी ने तय किया। हमारे कर्म ही हमारा भाग्य, यश, अपयश, लाभ, हानि, जय, पराजय, दु:ख, शोक, लोक, परलोक तय करते हैं। हम इसके लिये ईश्वर को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कारोबार-व्यवसाय आज ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। धन का व्यय होगा। नौकरी में प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे।

वृषभ — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन — विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह — मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा।

तुला — व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक — राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ — बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन — मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

हालीवुड | रिलीज डेट

फिल्मों के बजट का 79 फीसदी तो एक्टर ही ले जाते हैं जो चिंताजनक है : गिप्पी ग्रेवाल

गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा। गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है। गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है। गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी कटरीना तब्बू भी साथ करेंगी अभिनय

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है।

फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म चांदनी बार के सीक्वल चांदनी बार 2 के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। चांदनी बार (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में सूर्यवंशी, फोन भूत, टाइगर 3 और मेरी क्रिसमस शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

मलयालम सिनेमा में काम करने को बेताब पाक एक्ट्रेस माहिरा खान

पाकिस्तानी सिनेमा की सबसे बड़ी सुपरस्टार्स में से एक और भारत में भी अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस माहिरा खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई नई पाकिस्तानी फिल्म या ड्रामा नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा को लेकर दिया गया उनका एक बड़ा बयान है।

दरअसल लंदन के आलीशान होटल द पेनिनसुला लंदन में आयोजित प्रतिष्ठित ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के सालाना डिनर और रिसेप्शन इवेंट में माहिरा खान ने शिरकत की। इस हाई-प्रोफाइल इवेंट के दौरान माहिरा ने इंटरनेशनल मीडिया के सामने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री, खासकर साउथ के मलयालम सिनेमा की जमकर तारीफ की। सोशल मीडिया पर माहिरा खान का यह इंटरव्यू वीडियो आते ही वायरल हो गया है और फैंस उनके इस बेबाक अंदाज को बेहद पसंद कर रहे हैं।

लंदन में आयोजित इस शानदार रिसेप्शन के दौरान जब माहिरा खान मीडिया से मिलीं, तो भारतीय फिल्मों का जिक्र आते ही उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक देखने को मिली। माहिरा ने बिना किसी हिचकिचाहट के मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के लिए अपना गहरा प्यार और सम्मान जाहिर किया। उन्होंने कहा कि वह मलयालम सिनेमा की बहुत बड़ी फैन हैं और वहां जिस तरह की फिल्में बनाई जा रही हैं, वह वाकई काबिलेतारीफ है।

माहिरा खान ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मलयालम सिनेमा की तुलना बाकी फिल्म इंडस्ट्रीज से भी की। उनका मानना है कि कहानियों के मामले में, स्क्रीनप्ले के स्तर पर और ओवरऑल फिल्म मेकिंग की क्वालिटी को देखा जाए, तो इस वक्त मलयालम सिनेमा पूरे साउथ एशिया में सबसे बेहतरीन काम कर रहा है। उन्होंने साफ कहा कि वहां का कंटेंट बेहद मजबूत और रियलिस्टिक होता है। इंटरव्यू के दौरान माहिरा खान ने अपनी एक पुरानी हसरत को दोबारा दोहराया। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ मलयालम फिल्में देखना ही पसंद नहीं करतीं, बल्कि उनकी दिली ख्वाहिश है कि उन्हें कभी किसी मलयालम फिल्म में काम करने का मौका मिले। ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के इस सालाना डिनर से माहिरा खान का यह वीडियो जैसे ही इंटरनेट पर सामने आया, यह देखते ही देखते वायरल हो गया। भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के सिनेमा प्रेमी इस वीडियो को जमकर शेयर कर रहे हैं।

अजब-गजब | इस देश में इंसानों से ज्यादा है गाय की संख्या

दुनिया का वो देश, जहां गली-गली बिकता है गांजा

अगर कोई देश हो जहां गांजा खरीदना-बेचना पूरी तरह कानूनी हो, पुलिस आपको नहीं पकड़े बल्कि सरकार खुद दुकानें चलाए, समलिंगी शादी हो, एबॉर्शन हो और भ्रष्टाचार नाम की कोई चीज ना हो तो आप किस देश की कल्पना करेंगे? यह कोई काल्पनिक जगह नहीं बल्कि दक्षिण अमेरिका का छोटा सा देश Uruguay है, जिसे दुनिया का सबसे शांत और प्रगतिशील देश कहा जाता है।

वर्ष 2013 में उरुग्वे दुनिया का पहला देश बना जिसने पूरे देश में गांजा पूरी तरह कानूनी बना दिया। यहां गांजा ना सिर्फ लीगल है बल्कि फार्मेसी और लाइसेंस्ड दुकानों पर खुलेआम बिकता है। सरकार खुद इसकी खेती, उत्पादन और बिक्री नियंत्रित करती है। इसका मकसद था- अवैध माफिया और ड्रग कार्टल को खत्म करना और टैक्स के रूप में सरकार को राजस्व देना। आज Uruguay में 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से गांजा खरीद, रख और इस्तेमाल कर सकता है। पर्यटक भी सीमित मात्रा में ले सकते हैं। पुलिस नशे की जांच नहीं करती बल्कि ट्रैफिक नियमों पर ध्यान देती है।

उरुग्वे में लगभग 34 लाख इंसान रहते हैंजबकि गायों की संख्या 1.2 करोड़ से

ज्यादा है। यानी हर इंसान पर औसतन 3-4 गायें हैं। यहां मांस निर्यात बहुत बड़ा उद्योग है। बीफ की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि दुनिया भर में मशहूर है। उरुग्वे कई सामाजिक मुद्दों पर बहुत आगे है। यहां सेम सेक्स मैरिज 2013 में ही लीगल कर दिया गया था। इसके अलावा 2012 से महिलाओं को पहली 12 हफ्तों तक एबॉर्शन का अधिकार है। इस देश में भ्रष्टाचार ना के बराबर है। Transparency International के अनुसार उरुग्वे लैटिन अमेरिका का सबसे कम भ्रष्टाचार वाला देश है। यहां राजनेता और अधिकारी काफी ईमानदार माने जाते हैं। वहीं संसद में महिलाओं की अच्छी भागीदारी है। शिक्षा और स्वास्थ्य पूरी तरह मुफ्त है।

90% से ज्यादा आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है। देश में बहुत कम अपराध दर है। लोग बेहद शांत और खुशहाल जीवन जीते हैं। इसी वजह से इसे WorldÓs Most Chill Country भी कहा जाता है।

उरुग्वे की सफलता का राज उसकी छोटी आबादी और मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा है। 2013 में तत्कालीन राष्ट्रपति Jose Mujica (जिन्हें दुनिया के सबसे गरीब राष्ट्रपतिÓ कहा जाता था) ने गांजा लीगलाइजेशन का ऐतिहासिक फैसला लिया। उनका मानना था कि नशे से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका उसे नियंत्रित करना है, ना कि प्रतिबंध लगाना। आज कई देश उरुग्वे के इस मॉडल को फॉलो कर रहे हैं। कनाडा, थाईलैंड, जर्मनी और कई अमेरिकी राज्य अब इसी रास्ते पर चल रहे हैं।

यहां रातो-रात गायब हो जाते हैं लोग, नहीं मिलता नामोनिशान

कल्पना कीजिए कि आपका पड़ोसी, भाई या पति रात को आपसे बात करके सोने चला गया और सुबह उसका कोई नामोनिशान नहीं मिले। ना फोन, ना मैसेज, ना कोई सुराग। जापान में यह कल्पना नहीं बल्कि हकीकत है। यहां 'जोहात्सु' यानी 'वाष्पीकरण' नाम का एक फेनोमिना दशकों से चल रहा है। हजारों लोग हर साल जानबूझकर गायब हो जाते हैं और पूरी तरह नई जिंदगी शुरू कर लेते हैं। जापान में 'जोहात्सु' उन लोगों को कहा जाता है जो जानबूझकर गायब हो जाते हैं। ये लोग पुलिस को मिसिंग पर्सन के रूप में रिपोर्ट नहीं किए जाते क्योंकि वे स्वेच्छा से गायब होते हैं। 1990 के दशक में जापान के आर्थिक संकट के बाद यह घटना और बढ़ गई। कर्ज, नौकरी का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां, असफल शादी या सामाजिक शर्म से बचने के लिए लोग यह रास्ता चुनते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जापान में खास 'नाइट मूविंग' कंपनियां हैं जो इन लोगों को गायब होने में मदद करती हैं। ये एजेंसियां रात के अंधेरे में सामान शिफ्ट करती हैं, नई जगह पर नया घर ढूंढती हैं और कभी-कभी नई पहचान बनाने में भी सहायता करती हैं।

जिस शख्स को गायब होना है वो व्यक्ति एजेंसी से संपर्क करता है। एजेंसी रात में चुपचाप उसका सामान पैक करके ले जाती है। उसे नए शहर में छोटा अपार्टमेंट ढूंढकर बसाती है। पुराने पते और नंबर से संबंध तोड़ने में मदद करती है। कई बार नया फोन नंबर और बैंक अकाउंट भी सुझाती है। ये कंपनियां पूरी गोपनीयता बनाए रखती है। पुलिस भी तब तक कुछ नहीं कर सकती जब तक कोई अपराध ना हो। जिनके पीछे परिवार छूट जाता है, उनकी जिंदगी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। मां-बाप, पत्नी और बच्चे सालों तक इंतजार करते रहते हैं। उन्हें पता नहीं होता कि उनका प्रिय व्यक्ति जिंदा है या नहीं। कई परिवार खुद ही तलाश करते फिरते हैं लेकिन जापान के कानून के मुताबिक वयस्क व्यक्ति अगर स्वेच्छा से गया है तो पुलिस लोकेशन नहीं बताती। हर साल जापान में हजारों लोग गायब होते हैं। मुख्य कारण हैंÓभारी कर्ज और दिवालियापन काम का अत्यधिक दबाव पारिवारिक कलह या शादी संबंधी समस्याएं। सामाजिक अपमान का डर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं 1990 के आर्थिक बुलबुले के फटने के बाद यह संख्या बहुत बढ़ गई। आज भी युवा और मध्यम आयु वर्ग के लोग इस रास्ते को चुन रहे हैं।

बीजेपी राजनीतिक प्रतिशोध ले रही, हम झुकेंगे नहीं : अभिषेक बनर्जी

» सीआईडी पूछताछ की जानकारी लीक होने से भड़के टीएमसी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एजेंसियों के समन और सीआईडी जांच के बीच केंद्र सरकार को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि वे झुकेंगे नहीं और एजेंसियों से डरते नहीं हैं। उन्होंने अपनी सीआईडी पूछताछ की जानकारी लीक होने पर हाईकोर्ट जाने की बात कही, साथ ही बीजेपी पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप भी लगाया। अभिषेक बनर्जी ने आज कहा कि आप जानते हैं कि सीआईडी ने मुझे बुलाया था। मैं वहां 5.30 घंटे तक रहा। मुझे 14 जून को फिर से बुलाया गया है। मैं वहां जाऊंगा। मैं हमेशा इस तरह की जांच में सहयोग करता हूं।

मुझे किसी और मामले में भी समन भेजा जा सकता है। मैंने उनसे कहा है कि वे किसी और को नोटिस दे दें क्योंकि मैं वहां नहीं था। लेकिन मैंने सुना है कि वे इंतज़ार कर रहे थे। अगर वे तब नोटिस देना चाहते हैं जब मैं वहां नहीं हूं और किसी और को नोटिस लेने की इजाज़त नहीं है, तो उन्हें मेरे घर लौटने तक इंतज़ार करना होगा। मैं हमेशा एजेंसियों के साथ सहयोग करता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम इस लड़ाई में ज़रा भी पीछे नहीं हटेंगे। आप हमें झुका नहीं सकते, हम एजेंसियों से नहीं डरते। एमपी और एमएलए को तोड़कर टीएमसी को झुकाया नहीं जा सकता। आपने कहा था कि आप अन्नपूर्णा भंडार देंगे, लेकिन अब हालात अलग हैं।

मैं हाईकोर्ट जाऊंगा

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मेरे पेश होने के मामले में कई लोग सीआईडी से मिली जानकारी के आधार पर खबरें चला रहे हैं। जब मैं इस विचाराधीन मामले के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं कर रहा हूँ, तब भी जानकारी लीक होने के कारण हम इस मामले को लेकर हाई कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे उम्र में बड़े हैं। उन्हें अपनी राय रखने का हक है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है। मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं कहूंगा।

शाह पर भी होना चाहिए एफआईआर

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने मेरे डीजे को लेकर कोई शिकायत नहीं की थी। लेकिन अब सरकार बदल गई है और वे बार-बार मेरे खिलाफ मामले दर्ज कर रहे हैं। अमित शाह के भड़काऊ बयानों के लिए उनके खिलाफ़ एफआईआर क्यों नहीं होनी चाहिए? कई लोग सीआईडी से मिली जानकारी के आधार पर मेरे पेश होने से जुड़ी खबरें चला रहे हैं। जब मैं इस कोर्ट में चल रहे मामले के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं कर रहा हूं, तब भी जानकारी लीक होने के मामले को लेकर हम हाई कोर्ट जाएंगे।

ममता बनर्जी पर एफआईआर

मार्च 26 में दिए गए एक राजनीतिक भाषण के बाद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ़ एक नई एफआईआर दर्ज की गई। ममता ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई खास समुदाय एकजुट हो जाए, तो इसके दूसरों के लिए गंभीर नतीजे हो सकते हैं। उनके सार्वजनिक भाषणों का हवाला देते हुए, कोलकाता के एक निवासी ने हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे अब कोलकाता पुलिस ने एफआईआर के तौर पर दर्ज कर लिया है। कोलकाता के एक निवासी ने एफआईआर में आरोप लगाया कि रैली में दिए गए उनके भाषण से सांप्रदायिक अशांति और सार्वजनिक अशांति फैल सकती है। शिकायत में ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला कोलकाता में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान से ठीक पहले एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए कथित भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों से जुड़ा है। दक्षिण कोलकाता के नेताजी नगर पुलिस स्टेशन में 20 मई को दी गई शिकायत के अनुसार, स्थानीय निवासी तुषार कांति दास ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने एक जनसभा के दौरान जो बयान दिया, उससे पश्चिम बंगाल राज्य में अलग-अलग समुदायों के बीच डर, गलतफहमी और तनाव पैदा हो सकता है।

विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

» 16 साल के करियर में न्यूजीलैंड के लिए बनाए सर्वाधिक रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। इंग्लैंड दौरे के बीच न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बड़ा एलान किया। विलियमसन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही विलियमसन के 16 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया। विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था। 35 साल के विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने करियर में 378 मैचों में 19346 रन बनाए हैं जिसमें 48 शतक और छह दोहरे शतक शामिल हैं।

2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले केन विलियमसन ने बहुत जल्द ही दुनिया को अपनी तकनीक, धैर्य और क्लास का मुरीद बना दिया था। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता कम, लेकिन प्रभाव और निरंतरता ज्यादा दिखाई दी। विलियमसन उस दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने में सफल हुए जब कीवी टीम की गिनती दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में होती है। फॉर्मेट के हिसाब ने विलिमयसन टेस्ट में पहले, टी20 में दूसरे और वनडे में न्यूजीलैंड के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं। विलियमसन न्यूजीलैंड के सफलतम कप्तान भी रहे हैं। दाएं हाथ के इस धाकड़ बल्लेबाज ने 40 टेस्ट, 91 वनडे और 75 टी20 में न्यूजीलैंड की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने 2019 वनडे विश्व कप का फाइनल खेला था। विलियमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। कीवी टीम उनकी कप्तानी में 2021 टी20 विश्व कप का फाइनल भी खेली थी।

महिला टी20 विश्वकप: इंग्लैंड की जीत के साथ शुरुआत

बर्मिंघम। महिला टी20 विश्व कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने जीत के साथ शुरुआत की है। बर्मिंघम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने एमी जोन्स और डैनी व्याट-हॉज की शतकीय साझेदारी की मदद से 20 ओवर में एक विकेट पर 219 रन बनाए। यह किसी भी टीम का महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले इंग्लैंड ने ही 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ 213/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में श्रीलंका की महिला टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इसी के साथ इंग्लैंड की महिला टीम ने विश्व कप का पहला मुकाबला 87 रनों से जीत लिया। 220 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम पर इंग्लिश गेंदबाजी आक्रमण ने शुरुआत से ही दबाव बनाया। महज चार बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। इससे पहले इंग्लैंड को एमी जोन्स और डैनी व्याट-हॉज ने पहले विकेट के लिए 135 रनों की विशाल साझेदारी हुई। इसके बाद डैनी व्याट-हॉज को कप्तान नैट शीवर-ब्रंट का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 39 गेंदों में 84 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। इस दौरान दाएं हाथ की बल्लेबाज डैनी ने शानदार शतक जड़ा। वह 62 गेंदों में 105 रन बनाकर नाबाद रहीं जबकि कप्तान ब्रंट 46 रन बनाकर नाबाद रहीं।

हर जगह डकैती कर रही भाजपा : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के 7 करोड़ रुपये के कथित गबन को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकारों की आलोचना की और दावा किया कि बीजेपी में चोरी बड़े पैमाने पर होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का सब कुछ चुराने का इतिहास रहा है, जिसमें ईवीएम और भगवान राम के लिए भक्तों का चढ़ावा भी शामिल है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) अयोध्या जाकर भगवान राम के सामने सिर झुकाएगी और उनसे माफ़ी मांगेगी।

राउत ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे के तौर पर आए 5 करोड़ रुपये से ज़्यादा की जो डकैती हुई, वह सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रही है... अगर राम को चढ़ाए गए 5 करोड़ रुपये चोरी हो जाते हैं, तो इसके लिए यूपी और केंद्र, दोनों जगह आपकी सरकार जिम्मेदार है। आप ईवीएम, वोट और सीटें तो चुराते ही हैं, अब राम के चढ़ावे से भी चोरी कर रहे हैं, आपके साथ हर जगह चोरी ही चोरी है। हमें लगता है कि भगवान राम हमें वापस बुला रहे हैं। कल मैंने उद्धव ठाकरे जी से बात की और कहा कि हमें अयोध्या जाना चाहिए। इसलिए, अयोध्या जाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। हम सबसे पहले अयोध्या जाएँगे। हम सबसे पहले भगवान राम से मिलेंगे। हम सिर झुकाकर भगवान श्री राम से माफी मांगेंगे।

» अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे में गड़बड़ी को लेकर रार

» शिवसेना यूबीटी ने बीजेपी को घेरा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के इन आरोपों के बाद राउत की टिप्पणी आई है कि दान में मिली बड़ी रकम गायब हो गई है और उन्होंने इसकी न्यायिक जांच की मांग की है। यह विवाद अयोध्या से पूर्व विधायक पवन पांडे के दावों से शुरू हुआ, जिन्होंने कहा था कि 7 करोड़ रुपये से 7.5 करोड़ रुपये के दान में हेराफेरी की गई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

पंजाब में समय से पहले हो सकते हैं विस चुनाव : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब विधानसभा चुनाव फरवरी 27 के बजाय इस साल नवंबर में हो सकते हैं। केजरीवाल ने भगवंत मान को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर भी पेश किया और कहा, हमें उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।

बठिंडा में एक विशाल रोड शो को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने आगामी चुनावों के लिए भगवंत मान को ही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया है। केजरीवाल ने भगवंत मान को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर भी पेश किया और कहा, हमें उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।

हर मौके पर मिला सोनिया गांधी का साथ : खरगे

» राज्य सभा सांसद बनने पर दिया धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के लिए अपने चुनाव का श्रेय पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को दिया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक करियर में लोगों की सेवा करने के लगातार मौके दिए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि यह मेरा 13वां चुनाव है। मैं सोनिया गांधी का आभारी हूं। उन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने के मौके दिए हैं। खड़गे उन चार उम्मीदवारों में शामिल थे जिन्हें कल कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया।

नाम वापस लेने की समय-सीमा खत्म होने के बाद नतीजे की पुष्टि हुई, क्योंकि चार खाली सीटों के लिए मुकाबले में केवल चार उम्मीदवार ही बचे थे, जिससे 18 जून को होने वाली वोटिंग की ज़रूरत नहीं रही। उच्च सदन में खरगे के साथ शामिल होने वालों में शिक्षाविद मंसूर अली खान, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, और कर्नाटक लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य एम. नागराजा शामिल हैं, नागराजा भारतीय जनता पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार थे।

सभी विपक्षी दल एक हो जाए तो भाजपा हार जाएगी : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने इंडिया गठबंधन के एकजुटता पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की बैठक में बीजेपी को हराने के लिए एकजुटता पर ज़ोर दिया, यह दावा करते हुए कि अगर विपक्षी दल एक साथ मुकाबला करें तो यह आसान है। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थानों को कमज़ोर करने के लिए बीजेपी की आलोचना की और भरोसा जताया कि भारत की मूल सोच की रक्षा के लिए सभी सहयोगी एकजुट रहेंगे।

8 जून को नई दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में, राहुल गांधी ने गठबंधन के सहयोगियों के बीच एकता के महत्व पर ज़ोर दिया और उनसे कहा कि वे बीजेपी को हराने की अपनी क्षमता पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव निष्पक्ष हों या उनमें गड़बड़ियां हों, एक के बाद एक राज्य और चुनाव में बीजेपी की हार तय है। उन्होंने कहा था कि मैं आपको बताता हूँ, अगर हम एकजुट होकर उनका मुक़ाबला करें तो उन्हें हराना आसान है।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने बैठक का बहिष्कार किया। पार्टी ने पहले ही संकेत दिया था कि तमिलनाडु में कांग्रेस के गठबंधन से बाहर निकलने के फैसले के बाद वह अब इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं बनी रह सकती। उन्होंने विपक्षी दलों से आपसी झगड़ों से बचने और एकजुट होकर लड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि चुनौती सिर्फ़ चुनाव जीतने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता की रक्षा करना भी ज़रूरी है। उनके अनुसार, सरकार के प्रति जनता में पहले से ही काफ़ी नाराज़गी है, लेकिन भविष्य के चुनावों की निष्पक्षता को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं।

विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक मतभेदों और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे मतभेदों को व्यापक साझा लक्ष्यों पर हावी नहीं होने देना चाहिए। गांधी ने विपक्षी नेताओं से लचीला और एकजुट रहने का आग्रह किया और कहा कि विपक्ष को कमज़ोर और बंटा हुआ दिखाने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है।

बीजेपी झूठ फैलाती है

राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी ज़्यादा समय तक नहीं टिकेगी, क्योंकि उनकी नज़र में इसने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमज़ोर किया है और भारत के लोगों के भविष्य से समझौता किया है। उन्होंने विपक्ष की पार्टियों के बीच तालमेल की कमी वाली बातों को खारिज करते हुए कहा कि यह बीजेपी द्वारा फैलाया गया एक नैरेटिव है। उन्होंने भरोसा जताया कि आइडिया ऑफ़ इंडिया (भारत की मूल सोच) की रक्षा करने के मामले में कांग्रेस समेत गठबंधन के सभी सहयोगी एकजुट रहेंगे।

कमजोर पीएम अपने नागरिकों को नहीं बचा सकता : राहुल

राहुल गांधी ने अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी को लेकर तीखी आलोचना की है। उन्होंने पीएम मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री बताते हुए आरोप लगाया कि उनमें भारतीय नागरिकों की जान लेने वालों का सामना करने की हिम्मत नहीं है, खासकर जी 7 में समझौतों पर ध्यान देने के बावजूद। यह घटना ओमान के तट पर वाणिज्यिक जहाज सेटेबेलो पर हुए हमले के बाद सामने आई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज़ पर तीन भारतीय नाविकों की मौत पर मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। गांधी ने कहा कि कमज़ोर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया कि उनमें भारतीय नागरिकों की जान जाने के लिए जिम्मेदार लोगों का सामना करने की हिम्मत और ताकत नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि तीन दिनों के अंदर इंटरनेशनल पानी में तीन जहाजों पर हुए अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय मारे गए हैं। और हमारे मजबूर प्रधानमंत्री? एक शब्द भी नहीं। जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करती है, तो प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। लेकिन भगवान न करे कि वह एक शब्द भी बोलें। अगले हफ्ते जी7 में, हमारे नाविकों की हत्या के कुछ ही दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौतों पर साइन करेंगे - लेकिन उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास कहने को एक शब्द भी नहीं होगा। एक मजबूर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकता, क्योंकि उनमें उन लोगों का सामना करने की हिम्मत या ताकत नहीं है जिन्होंने उन बेटों की जान ली।

ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप के दावे की हवा निकाली

» भारतीय नाविकों की मौत को लेकर अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप

» ईरान ने अंतरराष्ट्रीय जांच और जवाबदेही की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच नये-नये घटनाक्रम घटते जा रहे हैं। होर्मुज क्षेत्र में जहाजों पर हुए हमलों को लेकर अमेरिका और ईरान आमने-सामने आ गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर लगाए गए आरोपों को तेहरान ने खारिज करते हुए अमेरिका पर ही भारतीय जहाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। तीन भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर ईरान ने अंतरराष्ट्रीय जांच और जवाबदेही की मांग की है।

ईरान ने इसे बेबुनियाद आरोप बताते हुए उल्टा अमेरिका पर ही भारतीय जहाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय तनाव के साथ-साथ भारत से जुड़े मानवीय पहलू को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का आरोप पूरी तरह निराधार है। दूतावास ने दावा किया कि एक सप्ताह से भी कम समय में अमेरिका ने तीन भारतीय जहाजों पर हमला किया, जिसमें तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई। ईरान ने कहा कि ट्रंप का बयान असली मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है। ईरानी पक्ष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अमेरिका पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की जान जाना बेहद दुखद है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बघाई ने अमेरिका की कार्रवाई को सशस्त्र लूट और राज्य प्रायोजित समुद्री डकैती करार दिया। उन्होंने भारतीय जनता और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। ईरान का कहना है कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान सभी देशों की जिम्मेदारी है।

राजधानी में सुबह हुई आंधी-बारिश तापमान गिरा, मानसून की आहट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शनिवार की सुबह मौसम ने करवट ली। कानपुर- लखनऊ सहित कई जिलों में आंधी के साथ हल्की बरसात हुई। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिणी उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। शनिवार से धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी होगी और एक हफ्ते में चार से छह डिग्री तक तापमान बढ़ सकता है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अभी तक पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में आंधी-बारिश का असर देखने को मिल रहा था। इससे तापमान में भी कमी दर्ज की गई और लोगों ने राहत की सांस ली लेकिन शनिवार से फिर गर्मी बढ़ेगी। पिछले दो दिन के भीतर तापमान में गिरावट के साथ मौसम खुशगवार हो गया था। अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को दक्षिणी यूपी में बूंदाबांदी हो सकती है लेकिन बाकी जगहों पर मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में थोड़ी वृद्धि भी होगी जिससे गर्मी का अहसास होगा। इसके बाद के दह दिनों में तापमान 4-6 डिग्री तक बढ़ने के आसार हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने शुक्रवार को अपनी प्रगति जारी रखते हुए उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, पश्चिम बंगाल, बिहार व ओडिशा और झारखंड के कुछ क्षेत्रों में दस्तक दे दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मानसून की उत्तरी सीमा 12 जून को हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, कलिंगपट्टनम, पारादीप, बारीपदा, पुरुलिया, धनबाद और मुजफ्फरपुर से होकर गुजर रही है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों के दौरान परिस्थितियां मानसून के और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। इसके प्रभाव से मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र, कर्नाटक के शेष हिस्सों, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार तथा छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है। मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में वर्षा की गतिविधियों में भी तेजी आने के आसार हैं।

पांच साल बाद भी गिरफ्त से दूर खाद्यान्न घोटाले का मास्टरमाइंड

सीआईडी ने फरार आरोपी के घर चस्पा किया कुर्की नोटिस कराई मुनादी

» करोड़ों के सरकारी अनाज घोटाले में कई रसूखदारों की भूमिका पर फिर उठे सवाल

» सियासी वरदहस्त के इलजामों से एक बार फिर गर्माया मामला

» चर्चा में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर

» खाद्यान्न घोटाले की सीबीआई जाँच भी हाशिये पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क/ वली चौधरी

सीतापुर। जिले के बहुचर्चित खाद्यान्न घोटाले में पांच साल बाद सीआईडी की कार्रवाई ने मामले को फिर सुर्खियों में ला दिया है। करोड़ों रुपये मूल्य के सरकारी गेहूं और चावल के गबन के आरोपी अशोक कुमार शुक्ल की गिरफ्तारी अब तक न होने पर सवाल उठ रहे हैं।

खाद्यान्न घोटाले की जांच कर रही सीबीसीआईडी की टीम बीते गुरुवार को रामकोट पहुंची थी। टीम ने विभागीय कार्यालय में मौजूद अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों का अवलोकन कर जरूरी जानकारी जुटाई। इसके बाद टीम लखीमपुर खीरी पहुंची, जहां घोटाले के कथित मास्टरमाइंड एवं तत्कालीन खाद्यान्न गोदाम प्रभारी अशोक कुमार शुक्ल के आवास पर न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की नोटिस चस्पा कराया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर मुनादी कराकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी गई। कसते शिकंजे के बीच प्रशासनिक और सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में रामकोट थाना क्षेत्र स्थित एफसीआई गोदाम से बड़ी मात्रा में सरकारी खाद्यान्न गायब होने का मामला सामने आया था। जांच में सामने आया कि गरीबों और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचने वाला अनाज बीच रास्ते में ही कागजों पर खपाकर बाजारों में बेच दिया गया। मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था, लेकिन मुख्य आरोपी अब तक कानून की पकड़ से दूर है। सूत्र बताते हैं कि बढ़ती सकती के बीच सीआईडी अब मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन, संपत्तियों और परिवहन नेटवर्क की जाँच कर रही है। जांच एजेंसी यह भी खंगाल रही है कि आखिर इतने बड़े घोटाले को अंजाम देने में किन सफेदपोश रसूखदारों की भूमिका रही और किसके संरक्षण में यह खेल चलता रहा। उधर, बढ़ती सख्ती के बीच जिले में चर्चा है कि खाद्यान्न घोटाले की जड़ें सिर्फ गोदाम तक सीमित नहीं थीं, बल्कि इसका नेटवर्क कई जिलों तक फैला हुआ था। राजनीतिक संरक्षण और प्रभावशाली लोगों की कथित भूमिका को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। हालांकि जांच एजेंसी अभी इस संबंध में खुलकर कुछ कहने से बच रही है। हाल फिलहाल कुर्की की कार्रवाई के बाद माना जा रहा है कि फरार आरोपियों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो चली है। ऐसे में जिले की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वर्षों से लंबित इस मामले में आखिर कब तक बड़े चेहरों से पर्दा उठता है और करोड़ों के सरकारी अनाज की लूट का पूरा सच सामने आता है।

> **"मामला जांचाधीन है और इसकी विवेचना सीआईडी द्वारा की जा रही है। विभाग स्तर पर जांच एजेंसी को आवश्यक अभिलेख एवं सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जो भी तथ्य सामने आएंगे और जांच एजेंसी द्वारा जो भी कार्रवाई की जाएगी, उसके अनुरूप विभाग आवश्यक कदम उठाएगा।**
> – अखिलेश श्रीवास्तव, जिला पूर्ति अधिकारी सीतापुर

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**